Self Respect

04-09-2014

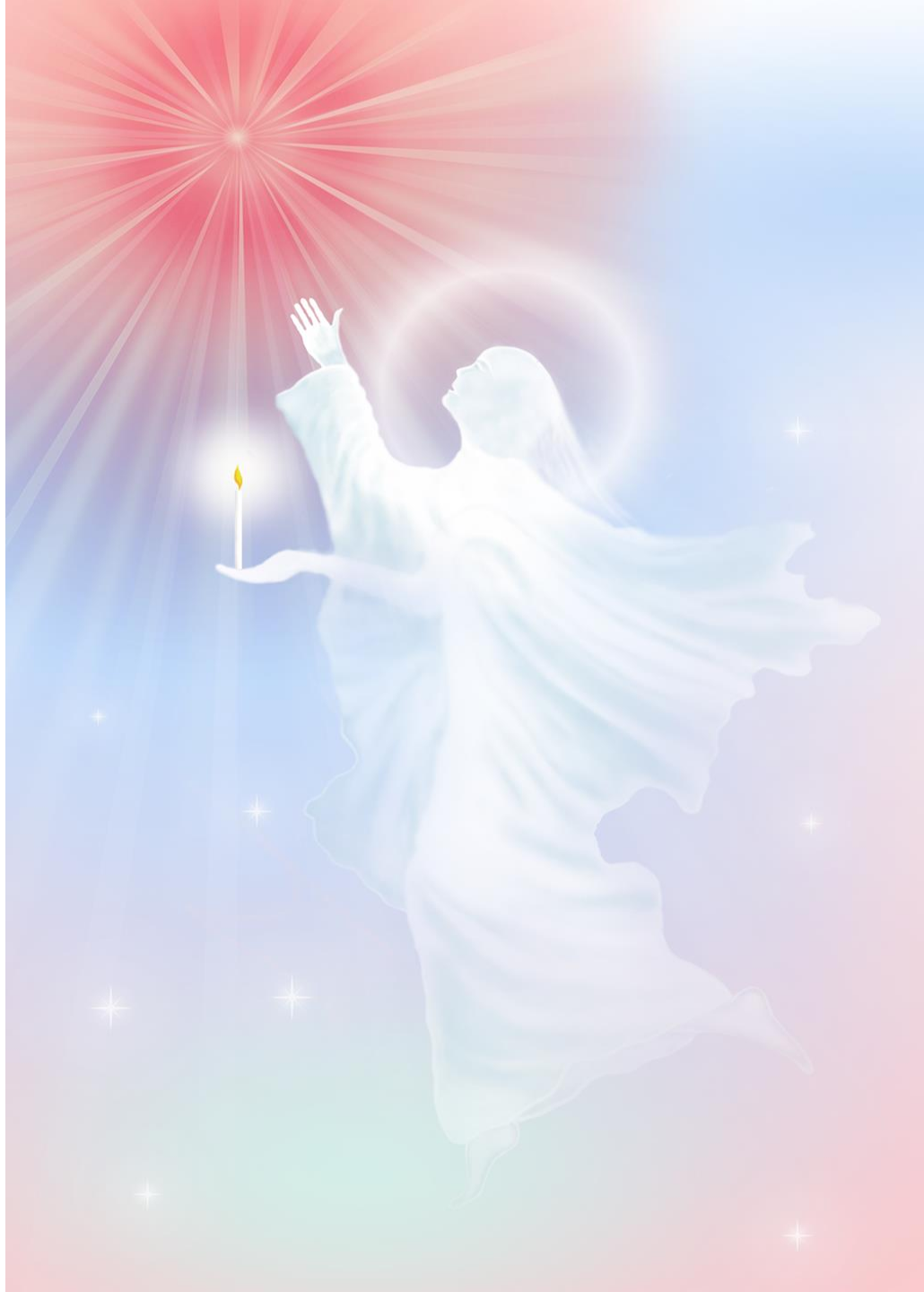

- ✓तुमको ही बाप मिला है, तुम रहते ही हो बाप के पास । जानते हो अभी हम ईश्वरीय सन्तान बने हैं, आगे आसुरी सन्तान थे । अब हमारा संग ईश्वरीय सन्तानों से है । गायन भी है ना-संग तारे कुसंग डुबोये ।

- ✓बरोबर जानते हैं हम सुखधाम के मालिक बनते हैं नम्बरवार । जितना-जितना श्रीमत पर चलते हैं, उतना ऊंच पद पाते हैं, जितना अपनी मत पर चलते तो पद भ्रष्ट हो जायेगा । अपना कल्याण करने के लिए बाप के डायरेक्शन तो मिलते ही रहते हैं ।

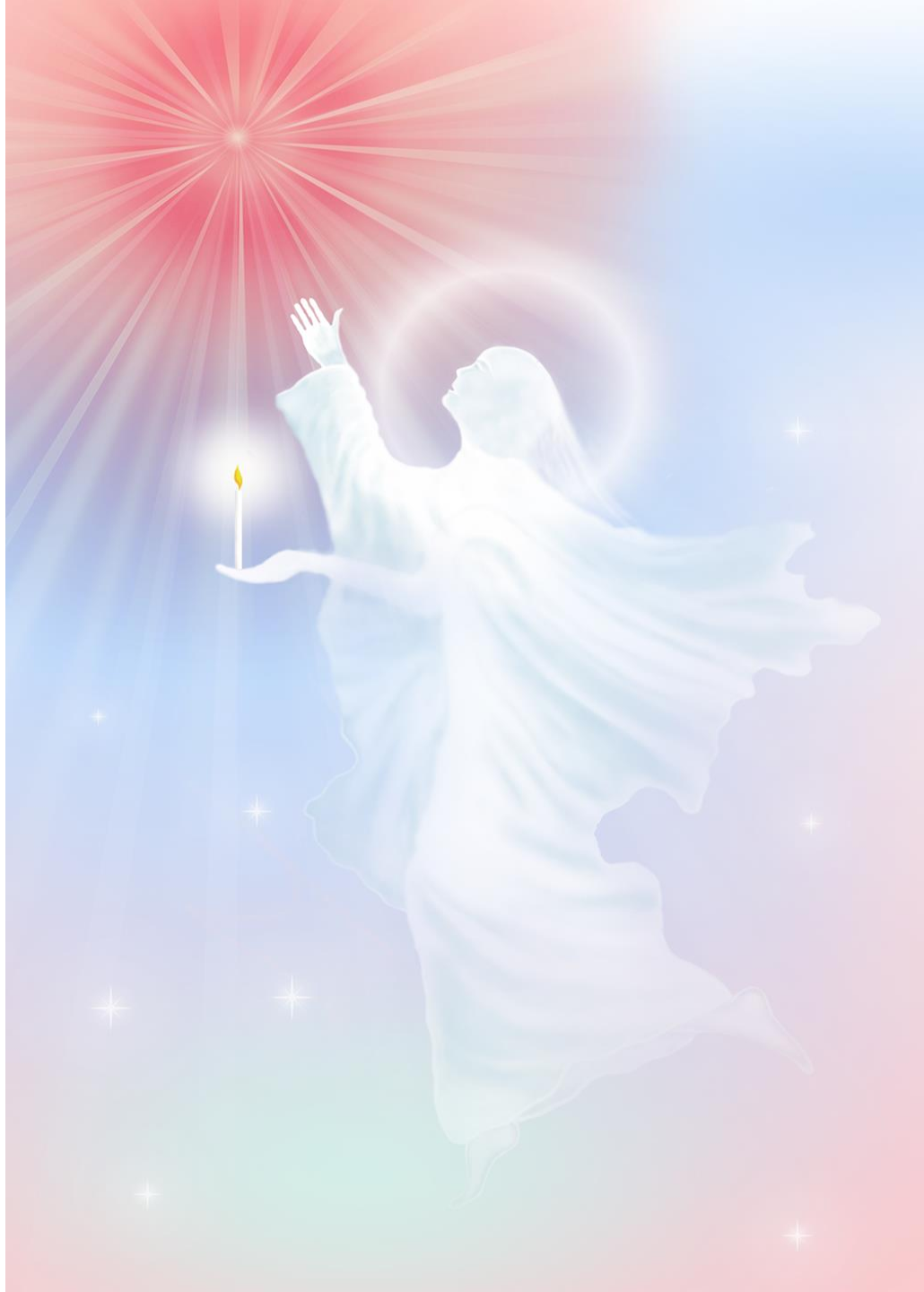

- ✓तुमको अब श्रीमत मिलती है । वह है ऊंच ते ऊंच भगवान ।
- ✓तुमको पुरुषार्थ कराने वाला वह शिवबाबा है । देहधारी सब पुरुषार्थ करते हैं । यह भी देहधारी है, इनको शिवबाबा पुरुषार्थ कराते हैं । बच्चों को ही पुरुषार्थ करना है ।
- ✓वैसे दुनिया में पावन तो बहुत होते हैं । सन्यासी भी पवित्र रहते हैं । वह तो एक जन्म के लिए पावन बनते हैं । ऐसे बहुत हैं जो इस जन्म में बाल ब्रह्मचारी रहते हैं । वह कोई दुनिया को मदद नहीं दे सकते हैं पवित्रता की । मदद तब हो जबकि श्रीमत पर पावन बनें और दुनिया को पावन बनायें । अभी तुमको श्रीमत मिल रही है ।

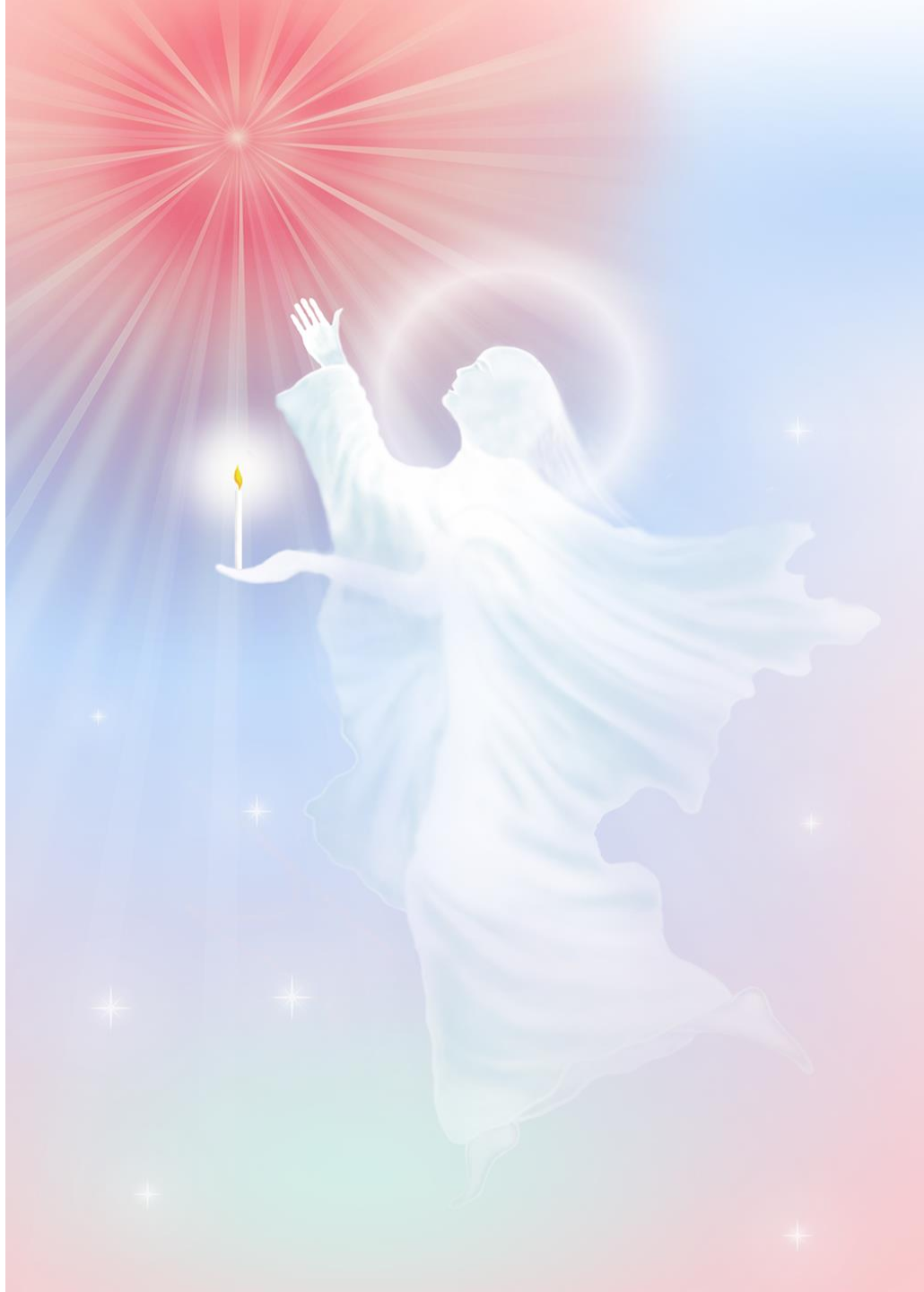

- ✓अब तुम जानते हो सुखधाम की स्थापना हो रही है । जितना हम श्रीमत पर पुरुषार्थ करेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे । यह ब्रह्मा की मत नहीं है । यह तो पुरुषार्थी है । इनका पुरुषार्थ जरूर इतना ऊँच है तब तो लक्ष्मी-नारायण बनते हैं । तो बच्चों को यह फालो करना है ।
- ✓तुम बच्चे जानते हो कि वह है जिस्मानी पढ़ाई, यह है रूहानी पढ़ाई जो रूहानी बाप पढ़ाते हैं ।
- ✓तुम्हारा तो रोज सतगुरूवार है ।
- ✓तुम जानते हो शिवबाबा हमारा बाप, टीचर, सतगुरू है । तो उनके डायरेक्शन पर चलना चाहिए, तब ही ऊंच पद पा सकेंगे । जो पुरुषार्थी हैं, उन्हों के अन्दर बहुत खुशी रहती है । बात मत पूछो । खुशी है तो औरों को भी खुश करने का पुरुषार्थ करते हैं ।

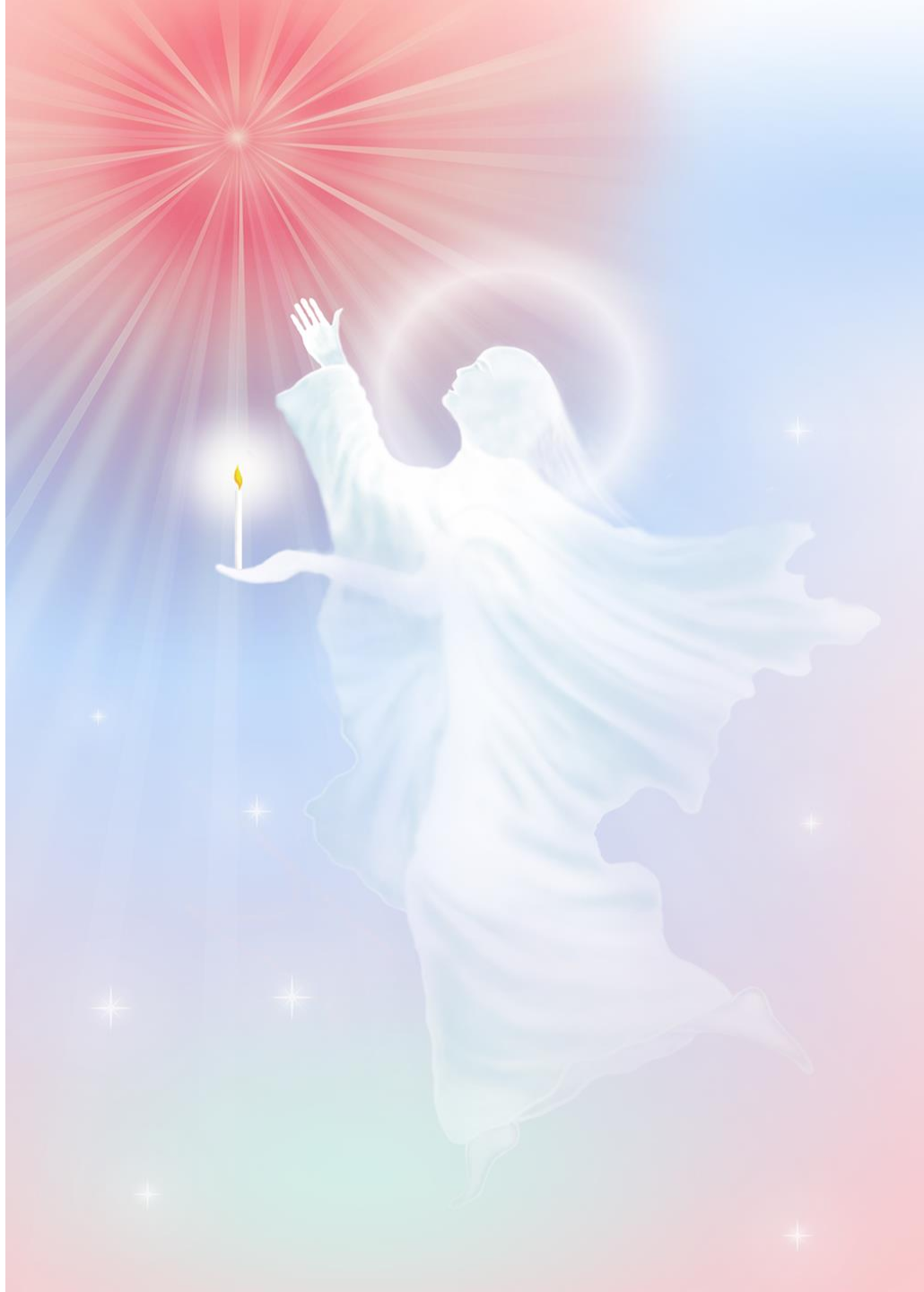

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमोर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।

✓वरदान: परमात्म ज्ञान की नवीनता ' 'पवित्रता' ' को धारण करने वाले सर्व लगावों से मुक्त भव !